Raj Express (Indore), 24th August 2023, Page – 02

इसरो की सफलता से आईआईटी इंदौर भी उत्साहित

इसरो के वैज्ञानिकों के साथ भविष्य के अन्य मिशनों में सक्रिय भागीदारी के प्रयास

इंदौर ■ पीयूष मौर्य

भारत के चांद पर कदम रखने के साथ अब भविष्य की योजनाओं पर भी अलग-अलग स्तर पर प्रयास शुरू हो चुके हैं। इसरो की इस सफलता से आईआईटी इंदौर भी खासा उत्साहित है। इसरो के वैज्ञानिकों के साथ आईआईटी भविष्य के अन्य मिशनों में सक्रिय भागीदारी के प्रयास की तैयारी कर रहा है। गौरतलब है कि आईआईटी इंदौर में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी विभाग है, जो अंतरिक्ष अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करता है।

अंतरिक्ष विज्ञान को देंगे बढ़ावा

इस वर्ष आईआईटी इंदौर ने इस क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने और गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति तैयार करने के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग में एक विशेष कार्यक्रम बीटेक शुरू किया है।

नए स्टार्टअप्स में आएगा आत्मविश्वास

चंद्रयान-3 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र को बहुत महत्वपूर्ण बढ़ावा देने वाला है। इससे अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर रहे नए स्टार्टअप्स में नया आत्मविश्वास आएगा। सफल मिशन भारत को अमेरिका, चीन और रूस जैसे देशों के विशिष्ट समूह में खड़ा कर देगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश है। यह जानकारी चंद्रमा के भविष्य के अन्वेषणों के लिए उपयोगी होगी। पहली बार, यह मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जो चंद्रमा के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन के लिए उपलब्ध होगी।

अनुसंधान को मिलेगी गति

इसरो के वैज्ञानिकों को हमारी हार्दिक बधाई और हम भविष्य के मिशनों में उनके साथ अधिक सक्रिय रूप से बातचीत करना चाहेंगे। उनकी सफलता अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान को गति प्रदान करेगी।

■ प्रोफेसर सुहास जोशी
डायरेक्टर, आईआईटी इंदौर